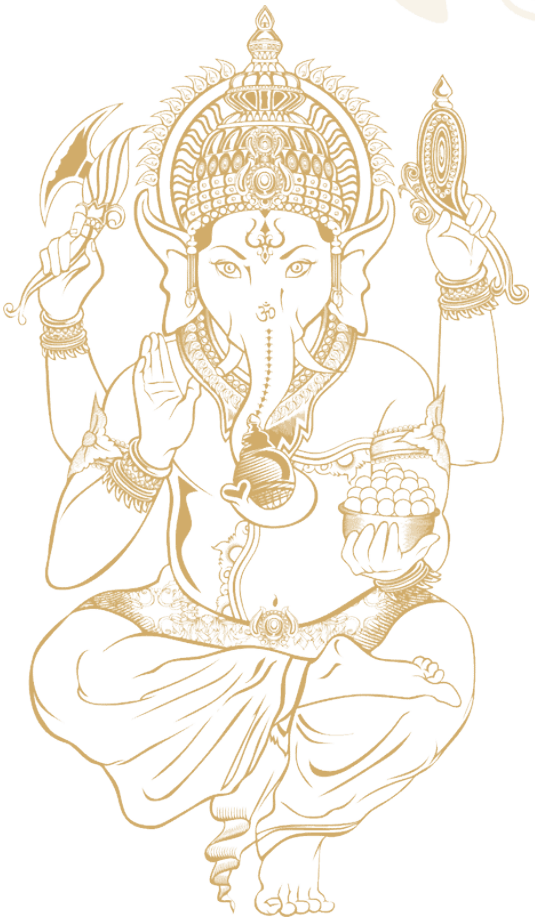

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/12/1986	जन्म तिथि	22/09/1994
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 22:50:00	जन्म समय	13:00:00 घंटे
घटी 39:21:15	जन्म समय(घटी)	16:58:46 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Kanpur
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	80:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:05:30	सूर्योदय	05:57:08
17:23:26	सूर्यास्त	18:05:37
23:40:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 10मा 18दि	01:30:53	सिंह	लग्न	धनु	07:24:25	केतु 5वर्ष 4मा 17दि
गुरु	18:35:27	वृश्चि	सूर्य	कन्या	05:16:59	सूर्य
23/10/2025	01:22:07	मक	चंद्र	मेष	03:04:51	09/02/2020
23/10/2041	12:10:55	कुंभ	मंगल	मिथु	29:03:26	09/02/2026
गुरु 11/12/2027	29:09:30	तुला	बुध	तुला	00:56:32	सूर्य 29/05/2020
शनि 23/06/2030	20:27:24	कुंभ	गुरु	तुला	19:37:53	चन्द्र 27/11/2020
बुध 28/09/2032	12:38:49	तुला	शुक्र	तुला	17:00:33	मंगल 04/04/2021
केतु 04/09/2033	18:32:20	वृश्चि	शनि व	कुंभ	13:42:33	राहु 27/02/2022
शुक्र 05/05/2036	25:45:48	मीन व	राहु व	तुला	21:45:15	गुरु 16/12/2022
सूर्य 21/02/2037	25:45:48	कन्या व	केतु व	मेष	21:45:15	शनि 28/11/2023
चन्द्र 23/06/2038	28:16:44	वृश्चि	हर्ष व	धनु	28:38:27	बुध 03/10/2024
मंगल 30/05/2039	10:59:56	धनु	नेप व	धनु	26:48:59	केतु 08/02/2025
राहु 23/10/2041	14:57:55	तुला	प्लूटो	वृश्चि	02:06:54	शुक्र 09/02/2026

लग्न-चलित

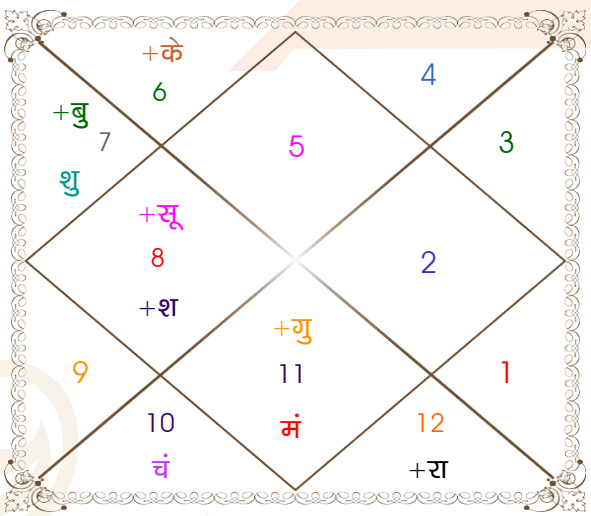

लग्न-चलित

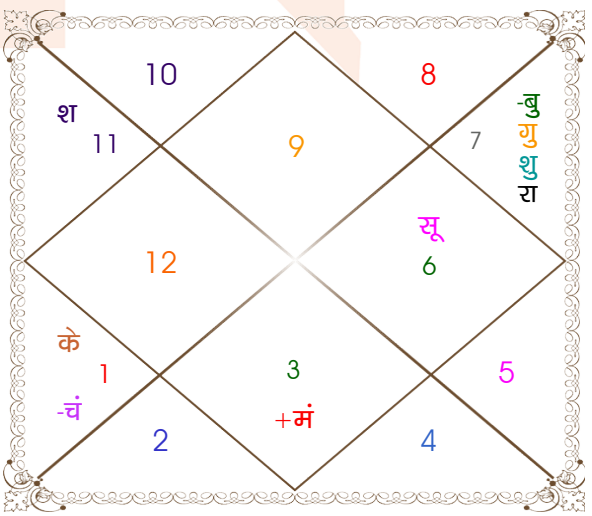

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।